

Ioh. et Suid. ἀμαρτάνωσιν. Basf. 2.
ἔτοι, καὶν pro ἔτοι οἱ ἄν, teste
Routhio.

Sect. 81, p. 168. edit. Bipont. γίγνεται αὐτοῖς ἢ ὠφέλεια καὶ ἐν-
θάδε] Cod. Reg. ὠφέλεια. Euseb.
et Suid. γίνεται, nec articulum ἢ
habet Suid. et apud eundem est
καὶνθένδε pro καὶ ἐνθάδε.

οὐ γὰρ] Euseb. εἰδὲ γὰρ, eiusque
Cod. Colleg. D. Iohann. ἄλλως
οἶόν τε pro οἶόν τε ἄλλως.

διὰ τοιαῦτα] Cod. Bodlei. Suid.
et Euseb. apud quem haec prae-
ter locum laudatum, L. XIII. C. 16.
p. 699. Viger. leguntur usque ad
καθ'ετήματα, habent διὰ τὰ τοιαῦτα.

ἀνίατοι γίνωνται] Suid. ἀνίατοι
πάμπαν γίνωνται.

Sect. 81, p. 169. edit. Bipont. γίγνεται] Cod. Bodlei. γίνονται.
Suid. γίνονται.

αὐτοὶ μὲν οὐκέτι — ἄλλοι δὲ ὀνί-
ναι] Cod. Bodlei. οὐκ ἔτι. Abest
αὐτοὶ a Suida, et εἰδὲν ab Euseb.
Verba εἰδὲν, ἅτε ἀνίατοι ὄντες
ἄλλοι δὲ ὀνίναται, omissa sunt in
Cod. Bodlei. ut verba ἄλλοι δὲ
ὀνίναται, οἱ τῆς ὀρῶντες ab Eu-
sebio.

διὰ τὰς ἀμαρτίας — τὸν αἰεὶ χρό-
νον] Suid. inter τὰς et ἀμαρτίας
inferit τοιαύτας, et καὶ ante ὀδυ-
νηρότατα omisit. Euseb. τὰς με-
γίστας pro τὰ μέγιστα, et eius
Cod. Colleg. D. Iohann. καὶ ὀδυ-
νηρότερα καὶ φοβερώτερα. Suid.
πύσχοντας, καὶ τὸν αἰεὶ χρόνον.